

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	हिन्दी कहानी (HINMJ 201)
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी की गद्य विधाओं में कहानी अपने विधागत गुणों के चलते सर्वाधिक लोकप्रिय रही है। इस पाठ्यक्रम में हम हिंदी कहानी के प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर दौर और नई कहानी के दौर की कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और उसकी विकसित प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। यहाँ बीसवीं सदी की कहानी के उपर्युक्त काल खंडों की बारह कहानियों के माध्यम से उनकी व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित करेंगे।

Course Content		
Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	हिंदी कहानी का सामान्य परिचय - विधा के रूप में कहानी की अवधारणा - कहानी समीक्षा की पारिभाषिक शब्दावली - हिंदी कहानी की परंपरा: प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15
II.	उसने कहा था (चंद्रधरशर्मा 'गुलेरी') - वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ - चरित्र सृष्टि का आदर्श - शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य पुरस्कार (जयशंकरप्रसाद)* - वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ - चरित्र सृष्टि का आदर्श - शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य कहानी का प्लॉट (शिवपूजन सहाय) - पितृसत्तात्मक संरचना और स्त्री सरोकार - नारी जागरण की प्रतिध्वनि - कथानक में नवाचार और शिल्पगत महत्ता सद्गति (प्रेमचंद)* - कथावस्तु और सामाजिक यथार्थ - कहानी में दलित सरोकार - शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15

III.	परदा (यशपाल)* • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • कहानी में सामाजिक यथार्थ • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य जाह्नवी (जैनेन्द्र)* • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि • कहानी कला का वैशिष्ट्य रोज (अज्ञेय)* • मध्यवर्गीय नारी जीवन और परिवार • कवि-दृष्टि का प्रभाव • कहानी कला का वैशिष्ट्य मुगलों ने सल्तनत बरख्श दी (भगवतीचरण वर्मा) • इतिहास-बोध और कहानी • कथानक में व्यंग्य की अंतर्धारा • कला का वैशिष्ट्य	15
IV.	रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु)* • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य डिप्टी कलक्टरी (अमरकांत) • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि • कहानी कला का वैशिष्ट्य मलबे का मालिक (मोहन राकेश)* • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य यही सच है (मन्नू भंडारी)* • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15

Texts / References	1. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश – मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 3. कहानी: नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 4. आधुनिक हिन्दी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 5. हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 7. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी यह जानेंगे कि विधा के रूप में हिंदी कहानी अवधारणा, विकास और प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। साथ ही कहानी की समीक्षा के लिए विकसित परिभाषिक शब्दावली द्वारा हिंदी की दस प्रतिनिधि कहानियों की समीक्षा करना सीखेंगे। यह भी जानेंगे कि कहानी का इतिहास, समय और समाज से गहरा संबंध है। प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से कहानी के विधागत महत्व को जान सकेंगे।